Sl. No.	Name of Institutions	Amount (Rs. in lakhs)
18.	Vivekanand Children Institute	6,000.00
19.	NIPM-for Conference	15,000.00
20.	Institute of Child Health Institute	10,000.00
21.	Indian Assn. of Blood Cancer and allied Diseases.	5,000.00
	TOTAL:	10,52,000.00

Export and Import of Sugar

1054. SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:
DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI RAJNATH SINGH:
SHRIMATI MALTI SHARMA:

Will the Minister of FOOD be pleased to refer to answer to Unstarred Question 1437 given in the Rajya Sabha on 14th August, 1995 and state:

(a) the quantity of sugar imported and exported during the past three years;

(b) the domestic price of sugar; and

(c) the earning to Government through duties etc.?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) The quantity of sugar imported and exported during the last three financial years is as under:—

(Quantity in lakh tonnes)

Financial Year	*Quantity imported*	*Quantity exproted (including Nepal)*
1992-93	NIL	3.76 (Provisional)
1993-94	NIL	3.32 (Provisional)
1994-95	9.76* (Prov.)	0.35 (Provisional)

*It does not include the sugar imported by Private Parties under Open General Licence (OGL) for sale in the open market.

(b) The wholesale prices of S-30 grade of sugar in the four principal markets of the country ranged between Rs. 1223/- and Rs. 1420/- per quintal during January, 1996 and Rs. 1238/- and Rs. 1420/- per quintal during February, 1996.

(c) Sugar for export is exempt from excise duty and cess. There is no export duty also.

Indian Diplomats at the WTO

1055. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a newsitem captioned "Economy of staff mars India's economic diplomacy at W.T.O." published in the Indian Express, New Delhi Edition dated 14th February, 1996;

(b) if so, the details thereof and whether in comparison to USA, European Union, Japan and Canada which have an army of diplomats, India has only three diplomats covering more than 10 formal and informal meetings of W.T.O.; and

(c) in what manner Government propose to deal with such crucial matter, the reasons for not providing adequate staff/representatives at the World Trade Organisations Wing in Geneva?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) While it is true the wing dealing with the World Trade Organization in the Permanent Mission of India at Geneva has a total of three representational diplomatic officers, the formal and informal meetings of the World Trade Organization being held in Geneva are also attended by the capital-based officials from India from time to time, keep-

ing in view the importance of such meetings. The question of further strengthening of staff in our mission to W.T.O. in Geneva will be considered on merits.

सुपर बाजार में वित्त और बिक्री विभाग का मध्यावधि मूल्यांकन

1056. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सुपर बाजार के वित्त और बिक्री विभागों का कोई मध्यावधि मूल्यांकन किया है;

(ख) यदि हां, तो मूल्यांकन के क्या परिणाम निकले;

(ग) क्या इस अवधि के दौरान उक्त संस्था अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पायी है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं;

(ङ) क्या सुपर बाजार के महाप्रबंधक और कर्मचारियों के बीच तालमेल का अभाव है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग) में राज्य मंत्री (श्री विनोद शर्मा): (क) से (ग) सुपर बाजार एक स्वायत्तशासी सहकारी सोसायटी है। इसका अपने व्यापार के नियोजन तथा उस पर नियंत्रण रखने के लिए स्वयं का एक प्रबंध मंडल है। तथापि, भारत सरकार जनहित में इसके कार्य की समय-समय पर समीक्षा करती है तथा सुपर बाजार के लेखा परीक्षित लेखाओं को हर वर्ष संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखती है।

गत तीन वर्षों के दौरान सुपर बाजार के लक्ष्य तथा उपब्धियां जैसी की सुपर बाजार द्वारा भेजी गई है, निम्नवत है :—

(लाख रु० में)

	1992-93	1993-94	1994-95
अनुमानित बिक्री	12333.00	13535.00	14544.00
वास्तविक बिक्री	10303.98	11520.34	13015.23
अनुमानित शुद्ध लाभ	16.90	15.73	24.75
वास्तविक शुद्ध लाभ	10.83	41.65	22.11

(घ) भारत सरकार सुपर बाजार को जनहित में विस्तार विविधीकरण तथा नवीकरण कार्यक्रम के लिए कुछ वित्तीय सहायता देती है।

(ङ) जी नहीं।

(च) प्रश्न नहीं उठता है।

गुजरात में कोयले का दोहन

1057. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात सरकार ने राज्य में कोयले के दोहन के लिए केन्द्रीय सरकार को कई प्रस्ताव भेजे हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इन प्रस्तावों का विचार या उनका अध्ययन किया है;

(ग) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना की शेष अवधि के दौरान गुजरात में कोयले के दोहन के लिए किसी क्षेत्र के बारे में विचार किया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) गुजरात में प्रति वर्ष जिला-वार कुल कितने कोयले की मांग है और केन्द्रीय सरकार द्वारा कितनी मात्रा में कोयले की आपूर्ति की गई है;

(च) क्या केन्द्रीय सरकार ने 1995-96 के दौरान राज्य में कोयले की समग्र मांग पूरी करने के लिए कोई उचित कदम उठाया है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) से (घ) गुजरात राज्य में कोयले के भण्डार पाये जाने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है।

(ङ) से (छ) कोयले की मांग का मूल्यांकन समग्र रूप से देश के लिए क्षेत्र-वार किया जाता है और अलग से जिला-वार मांग के अनुमानों को नहीं लगाया जाता है। को०ई०लि० स्रोतों से वर्ष 1995-96 (दिसम्बर, 1995 तक) के दौरान गुजरात राज्य में विभिन्न उपभोक्ताओं को कोयले की आपूर्ति 11.37 मिलियन टन (अनंतिम) की गई थी। रेल या सड़क द्वारा उद्योगों को प्रस्तुत किए गये संपूर्ण कार्यक्रम को पूरा किये जाने का कोल इंडिया लिए प्रयास कर रही है। रेल द्वारा संकलन में यदि कमी होती है तो ऐसी स्थिति में उनके उपयोग न किये गये प्रयोजनों/योजनाओं के एवज में सभी उपभोक्ताओं को यह अवसर दिया जाता है कि वे अपने आर्डर सड़क द्वारा बुक करा सकें। इसके अतिरिक्त कई